Department of education
B. S. N. V. P. G. College Lko
Charbagh lko

B. A. Sem 5th

Paper - 1 measurement and evaluation in education

Teacher - Dr. GEETA RANI

Unit - 1. Lecture 4

Topic - Level of measurement

मापन के स्तर

- मनोवैज्ञानिक मापन में विभिन्न प्रदत्त को चार स्तरों के अंतर्गत रखा गया है विषय सामग्री चाहे भौतिक हो या सामाजिक यह मनोवैज्ञानिक उसका मापन कई प्रकार से किया जा सकता है निम्न स्तर के मापन में सुगमता अधिक होगी परंतु परिशुद्धता बहुत कम पाई जाएगी जबकि उच्च स्तर के मापन में जटिलता अवश्य होगी परंतु वह माप अधिक परिशुद्ध निष्कर्ष प्रदान करेंगअच्छी बात है वैज्ञानिकता की दृष्टि से मापन के चार स्तर प्रयोग किए जाते है।
- शाब्दिक स्तर
- क्रमिक स्तर
- अंतराल स्तर
- अनुपात स्तर

शाब्दिक स्तर nominal level- **मापन की इस सरलतम मापनी में वस्तुओं या घटनाओं को किसी गुण या विशेषता के आधार पर अलग-अलग समूहों में रख दिया जाता है तथा प्रत्येक व्यक्ति या समूह की पहचान के लिए उसे कोई अमुक नाम या संख्या या चिन्ह दे दिया जाता है जैसे रंग के आधार पर गोरा काला लिंग के आधार पर स्त्री पुरुष निवास के आधार पर शहरी ग्रामीण इत्यादि वर्गों में बांटा जाता है।**

क्रमिक स्तर ordinal level- इस स्तर के मापन में व्यक्तियों वस्तुओं घटनाओं विशेषताओं प्रतिक्रियाओं को किसी गुण या लक्षण के आधार पर उच्चतम से निम्नतम के क्रम में व्यवस्थित किया जाता है तथा प्रत्येक वस्तु आदि को एक क्रम सूचक अंक प्रदान किया जाता ह जैसे हम किसी कॉलेज के छात्रों को परीक्षा के प्राप्त अंकों के आधार पर प्रथम द्वितीय तृतीय आदि क्रम देते है

अंतराल मापनी interval level- इसके अंतर्गत दो वस्तुओं व्यक्तियों या वर्गों के मध्य की दूरी या अंतर को अंको के माध्यम से ज्ञात किया जाता है तथा प्रत्येक अंक का अंतर या दूरी सम होती है किंतु इसमें यह ज्ञात नहीं होता है कि उसमें से कोई भी अंक छूने से कितनी दूर है क्योंकि इसमे वास्तविक 0 बिंदु नहीं पाया जाता है वर्ष महीना सप्ताह आदि अंतराल मापने के उदाहरण है
अनुपात स्तर ratio level- इसमें अंतराल मापने की समस्त विशेषताओं के साथ साथ एक सत्य 0 बिंदु विद्यमान रहता है जो अन्य किसी मापने में नहीं होता है इसलिए इसे अंतराल मापनी से अधिक श्रेष्ठ माना जाता है